1 Arun Kumar Nagi
2 किसन गोपाल नागी
3 रामचन्द्र नागी
श्री नागरी

बाहमी बटवारा

(रामचन्द्र नागी, कृष्ण गोपाल नागी)

यह कि रामचन्द्र नागी एवं कृष्ण गोपाल नागी पुत्र स्व. देवीदास नागी निवासी-सरायढेला धनबाद के है जो कि अपने पिता के मरने के बाद भूखंड खाता नं0 - 73, प्लाट नं0 -3245 ~~रकबा~~, कुल 23 डी0 (तेईस डि0) के 1/3 के मालिक अपने भाई श्री अरूण कुमार नागी के साथ हुए जबकी हमारे चाचा ~~स्व~~ प्रीतम सिंह एवं स्व0 गिरधारी लाल नागी अपने जीवन काल में 5-5 (पांच-पांच) कठा जमीन प्रत्येक दोनो लोगों ने अपने हिस्से बेच दिये है। इस प्रकार -13 डिसमिल (तेरह डिसमिल) शेष बची जमीन के हम दोनों तथा बड़े भाई श्री अरूण कुमार नागी मालिक बने और कब्जा तथा मालिक चले आ रहे है।

चूंकि श्री अरूण कुमार नागी अपना हिस्सा अलग कर अपना मकान बनवा लिये है और अब हमदोनों भाईयों की जमीन जो मिली जुली है, का बटवारा भी हो चुका है जैसा की संलग्न चित्र में दर्शाया गया है और हरे तथा पीले रंग द्वारा रेखांकित किया गया है और जो इस लिखित बटवारे का भाग है इसी चित्र में श्री अरूण कुमार का हिस्सा लाल रेखाओं द्वारा प्रदर्शित है बिल्कुल अलग है और उनका हमदोनों भाईयों से कोई वास्ता सरोकार शेष नहीं है और नहीं हमदोनों का आपस में व बड़े भाई अरूण कुमार के हिस्सा में कोई सरोकार नहीं है और हम तीनों अपने हिस्से के अलग अलग स्वतंत्र मालिक है।

चूंकि हम तीनों भाईयों की माता जी श्रीमती शान्ती देवी पति स्व0 देवीदास नागी अपने तीसरे पुत्र श्री कृष्ण गोपाल नागी के साथ अपना जीवन व्यतीत करने की इच्छा प्रकट किया और श्री कृष्ण गोपाल नागी को कोई आपत्ति नहीं है और साथ रह रही है। इस प्रकार तीनों भाईयों एवं उनके उत्तराधिकारियों का एक दूसरे के हिस्से में कोई दखलंदाजी को दूर करने के लिये यह आपसी बटवारा हो गया है और प्रत्येक तीनों भाई केवल अपने अपने हिस्सों को जैसा की संलग्न चित्र में लाल, हरे एवं पीले रंग से अपने अपने उत्तराधिकारियों सहित मालिक है।

हरे रंग द्वारा प्रदर्शित भाग में एक रूई की टुकड़ा, ईश्वरी मोदी भाडेदार का हिस्सा तथा वह शेष हिस्सा जिसमें श्री कृष्ण गोपाल नागी अपनी माता एवं अपने परिवार के अन्य सदस्यों सहित रहते है के मालिक

है । पीले रंग द्वारा प्रदर्शित क्षेत्र राम चन्द्र नागी का है जिसमें एक स्टोर, एक दवा की दुकान जो उन्होंने बेच दिया है तथा अपको ~~मालिक है~~ मकान के मालिक हैऔर केवल मालिक हैं । और लाल रंग से प्रदर्शित भाग के मालिक श्री अरूण कुमार नागी है । कभी भी हम दोनों भाईयों में इस बटवारे के लिखे जाने एवं हस्ताक्षर करने के बाद यानि कृष्ण गोपाल नागी एवं राम चन्द्र नागी के मध्य{कोई झगड़ा उत्पन्न हो या है या होगा का निवारण इसी संलग्न चित्र के आधार पर ही तय किया जाय जो हम दोनों पर बराबर से लागू होगा । विशेष विवरण के लिये कृष्ण गोपाल नागी का हिस्सा शब्द अ,ब,स,द,क,ख,ग,घ,च एवं छ-अ द्वारा घेरा गया है जबकि रामचन्द्र नागी का हिस्सा शब्द ~~इ~~ ब,स,द,क,ख,ग,घ ओ द्वारा प्रदर्शित कर दिया गया है ।

अतः हम दोनों भाईयों के मध्य अब किसी प्रकार का डर, भय संशय या कोई गलतफहमी न रहे और न ही कभी एक दूसरे के हिस्से में दखलंदाजी हो या करे ~~यकिन जाय~~ यह लिखित बटवारा आज दिनांक- 9 फरवरी, 1990 ई० को ~~पत्र~~ लिख दिया गया जो वक्त जरूरत पर काम आये ।

Arun Kumar Nagi

ह०/- अरूण नागी
9-2-90

गवाह
----- Dasharath Singh
9-2-90

ह०/- किसन गोपाल नागी
9-2-90

नागी

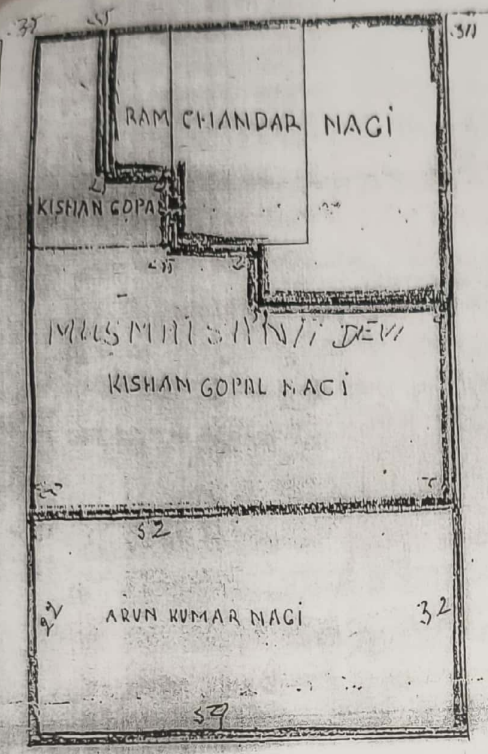

Arun Kumar Nagi

(१) रामचन्द्र नागी
९-२-९०

(२) चमरी

किसन गोपाल नागी